Downloaded from www.studiestoday.com

बाल भारती पब्लिक स्कूल, गंगा राम मार्ग
सत्र - 2013-2014
नियत कार्य संख्या - 6
कक्षा - सातवीं
विषय - हिंदी

SA_2

पाठ - कृष्ण की चेतावनी, गुरु भक्त उपमन्यु
व्याकरण - अपठित गद्यांश

प्र.1. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -
(क) पाण्डवों के व्यक्तित्व में निखार कैसे आया ?
(ख) पाण्डवों का संदेश लेकर श्रीकृष्ण कहाँ गए ?
(ग) श्रीकृष्ण पाण्डवों का क्या संदेश लेकर आए ?
(घ) पाण्डवों ने दुर्योधन से क्या माँगा ?
(ङ) किसने गाँव लेकर पाण्डव संतुष्ट हो जाते ?
(च) दुर्योधन ने कौन-सा असंभव कार्य करने की चेष्टा की ?
(छ) जब मनुष्य का विनाश समीप आता है तो क्या होता है ?
(ज) श्रीकृष्ण द्वारा स्वरूप विस्तार करते ही क्या हुआ ?
(झ) श्रीकृष्ण ने कौरवों को क्या चेतावनी दी ?

प्र.2. किसने - किसने कहा —
(क) "तो ले मैं भी अब जाता हूँ,
अंतिम संकल्प सुनाता हूँ।"
(ख) 'दोनों पुकारते थे, "जय-जय।"
(ग) 'हम वही खुशी से खाएंगे,
परिजन पर असि न उठाएंगे।"

प्र.3. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -
(क) "सौभाग्य न सब — सोता है,
देखें, — क्या होता है।"
(ख) "जंजीर, — अब — मुझे,
हाँ-हाँ — बाँध मुझे

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) "फण — का डोलेगा,
विकराल काल — खोलेगा।"

(घ) "वापस — सुख लूटेंगे,
सौभाग्य — के फूटेंगे।"

प्र.4. उचित अर्थ पर सही (✓) का चिह्न लगाइए —
(क) वायस — कबूतर / कौआ
(ख) प्रखर — मंदिम / तेज
(ग) परिजन — अपने लोग / पराए लोग
(घ) प्रमुदित - उदास / प्रसन्न

प्र.5. उचित वर्तनी पर सही (✓) का चिह्न लगाइए —
(क) विध्वंस, विध्वंस, विध्वसं।
(ख) हास्तिनापुर, हस्तीनापुर, हस्तिनापूर।
(ग) विकराल, वीकराल, विकराल
(घ) निरभय, निर्भय, निरभ्य।
(ङ) सुमार्ग, सूर्माग, सुमारग।

पाठ — "गुरुभक्त उपमन्यु"

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए —
(क) "गुरुभक्त उपमन्यु' पाठ में क्या उजागर किया गया है?
(ख) महर्षि धौम्य उपमन्यु के किन गुणों पर मुग्ध थे?
(ग) महर्षि धौम्य के अनुसार कौन-सा कार्य धर्म के विरुद्ध है?
(घ) जंगली खारे कड़वे पत्ते खाते ही उपमन्यु की क्या स्थिति हुई?
(ङ) महर्षि धौम्य ने जंगल से क्या एकत्रित किया?
(च) उपमन्यु ने किसकी स्तुति आरंभ की?
(छ) महर्षि धौम्य ने उपमन्यु को क्या आशीर्वाद दिया?

प्र.2. किसने- किससे कहा —
(क) "गुरुवर दिनभर गाय जंगल की घास चरने में व्यस्त रहती हैं।"
(ख) ---- दो बार भिक्षा! वह भी एक दिन में!

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) "अपनी उदर पूर्ति के लिए तुमने न्याय का मार्ग छोड़ दिया।"
(घ) "तुम चिंता न करो तुम आश्विनी कुमारों की स्तुति करो।"

प्र-3. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) उपमन्यु का — छाछ से झुक गया।
(ख) गुरुवर इतनी — के साथ दिन भर — में घूमता हूँ।
(ग) उपमन्यु की — श्रद्धा — तथा धीरज में कहीं कोई अंतर नहीं पड़ा।
(घ) उसकी — भक्ति देखकर — कुमार प्रसन्न हुए।

प्र.4. उचित अर्थ पर सही (✓) का चिह्न लगाइए —

(क) ज्वाला — आग / पानी
(ख) नखशिख — सिर उठाकर / सिर झुकाकर
(ग) क्षुधा — भूख / प्यास
(घ) निष्कपट — छल सहित / छल रहित

व्याकरण — अपठित गद्यांश हेतु व्याकरण पुस्तिका का पृष्ठ २५४, गद्यांश - 3, 4 हल करें।

Downloaded from www.studiestoday.com